



**SNDT Women's University, Mumbai**

**Ability Enhancement Course (AEC)**

for

**Semester – IV**

**As Per NEP – 2020**

**Syllabus**

**(WEF. 2025-2026)**

Sr. No.	Modern Indian Language	Subject code
1	मराठी भाषेचा परिचय - भाग २ (MARATHI)	40810411
2	सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी भाषा (HINDI)	40810411
3	वाल्मिकीकिरामायणे अयोध्याकाण्डः	40810511
4	शीजो गुजराती -माध्यमिक	40810211

#### 4.6 MODERN INDIAN LANGUAGE (AEC) मराठी भाषेचा परिचय - भाग २

<b>Course Title</b>	मराठी भाषेचा परिचय - भाग २
<b>Course Credits</b>	2 श्रेयांक
<b>Course Outcomes</b>	<p>After going through the course, learners will be able to</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. विद्यार्थ्यांना दैनंदिन व्यवहारात मराठीतून लेखन करता येईल .</li> <li>2. विद्यार्थ्यांना मराठीतील शब्दसंग्रह , वाक्यरचना याविषयी ज्ञान होईल .</li> <li>3. विद्यार्थ्यांना मराठीतील काळ, लिंग, वचन आदी गोष्टींच्या वापराच्या तंत्राचे आकलन होईल</li> <li>4. विद्यार्थी मराठी भाषेची लिपी आत्मसात करतील.</li> <li>5. सारांश लेखन, निबंध लेखन, संवाद लेखन करतील</li> <li>6. उतारा वाचून त्याचे आकलन करता येईल</li> <li>7. विद्यार्थ्यांमध्ये मराठी भाषेविषयी अभिरुची निर्माण होईल.</li> </ol>
<b>Module 1(Credit 1)- भाषा वापराचा स्थूल परिचय</b>	
<b>Learning Outcomes</b>	<p>After learning the module, learners will be able to</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. विद्यार्थ्यांना वर्णमाला, बाराखडी, शब्दसंग्रह, वाक्यरचना, काळ, लिंग, वचन व शुद्ध लेखनाचे नियम, विरामचिन्हे यांचे ज्ञान होईल.</li> <li>2. म्हणी आणि वाक्प्रचार यांचे वाक्यात उपयोजन करता येईल</li> <li>3. चित्र पाहून त्याचे वर्णन करता येईल.</li> </ol>
<b>Content Outline</b>	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. विद्यार्थ्यांना वर्णमाला, बाराखडी, शब्दसंग्रह, वाक्यरचना, काळ, लिंग, वचन व शुद्ध लेखनाचे नियम, विरामचिन्हे</li> <li>2. म्हणी आणि वाक्प्रचार यांचे वाक्यात उपयोजन</li> <li>3. जोडाक्षरे व विराम चिन्हे यांचा वापर</li> <li>4. चित्रवर्णन</li> </ol>
<b>Module 2 (Credit 1)- लेखन कौशल्ये</b>	
<b>Learning Outcomes</b>	<p>After learning the module, learners will be able to</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. विद्यार्थिनीं सारांश लेखन, निबंध लेखन, संवाद लेखन करतील</li> </ol>

	2. विद्यार्थिनी उतारा वाचून त्याचे आकलन करतील
<b>Content Outline</b>	1. सारांश लेखन, निबंध लेखन, संवाद लेखन
	2. उतारा वाचून त्याचे आकलन

1. म्हणी आणि वाक्प्रचारांचे संकलन व सादरीकरण
2. विविध विषयांवर सारांश लेखन, निबंध लेखन व उतारा वाचून त्याचे आकलन सार मांडणे

### संदर्भ सूची

1. सुगम मराठी व्याकरण लेखन – मो. रा. वाळिंबे
2. व्यवहारिक मराठी - ल रा. नसिराबादकर, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर
3. व्यावहारिक मराठी - स्नेहल तावरे, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
- ४ व्यावहारिक मराठी – लीला गोविलकर
- ५ भाषा आणि संस्कृती – ना. गो. कालेलकर
६. सुबोध भाषाशास्त्र – प्र. न. जोशी
७. आधुनिक भाषा विज्ञान सिन्धांत - मिलिंद मालसे
८. मराठी भाषा : भाषाशास्त्र आणि व्याकरण – डॉ विजय इंगळे
९. भाषा , मातृभाषा आणि परभाषा – रा. सो. सराफ
१०. अक्षर वाङ्मय त्रैमासिक :

#### 4.6 अश्रुत िल-2

<b>Course Title</b> पाठ्यक्रम शीर्षक	सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी भाषा
<b>Course Credits</b> पाठ्यक्रम श्रेयांक	2
<b>Course Outcomes</b> पाठ्यक्रम परिणाम	After going through the course, learners will be able to पाठ्यक्रम सीखने के उपरांत छात्राएँ सक्षम होंगी। 1. छात्राएँ सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी भाषा के ज्ञान से अवगत होंगी। 2. छात्राएँ हिंदी भाषा और कम्प्यूटिंग (संगणकीय ज्ञान) के विभिन्न पहलुओं से परिचित होंगी। 3. छात्राएँ संप्रेषण कौशल, हिंदी ब्लॉग और ईमेल लेखन से अवगत होंगी। 4. छात्राएँ विज्ञापन लेखन और रिपोर्ट लेखन करने में सक्षम होंगी।
<b>Module 1 (Credit 1)</b>	
<b>Learning Outcomes</b> पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं : 1. छात्राएँ सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी भाषा के स्वरूप से अवगत हुईं। 2. छात्राएँ हिंदी भाषा और कम्प्यूटिंग (संगणकीय ज्ञान) के विभिन्न पहलू जैसे- कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, युनिकोड का प्रयोग और हिंदी सॉफ्टवेअर से परिचित होकर उसका प्रयोग करने में सक्षम हुईं।
<b>Content Outline</b> सामग्री की रूपरेखा	<ul style="list-style-type: none"> <li>● सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी: सामान्य परिचय</li> <li>● हिंदी भाषा और कम्प्यूटिंग (संगणकीय ज्ञान)           <ul style="list-style-type: none"> <li>☐ कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग</li> <li>☐ युनिकोड का प्रयोग</li> <li>☐ हिंदी सॉफ्टवेअर का सामान्य परिचय</li> </ul> </li> </ul>

<b>Module 2 (Credit 1)</b>	
<b>Learning Outcomes</b> पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएँ सक्षम हुईं।
	1. छात्राएँ संप्रेषण कौशल, हिंदी ब्लॉग और ईमेल लेखन से परिचित हुईं।
	2. छात्राएँ विज्ञापन लेखन और रिपोर्ट लेखन से अवगत हुईं।
<b>Content Outline</b> सामग्री की रूपरेखा	<ul style="list-style-type: none"> <li>● संप्रेषण कौशल</li> <li>● हिंदी ब्लॉग और ईमेल लेखन</li> <li>● विज्ञापन लेखन</li> <li>● रिपोर्ट लेखन</li> </ul>

### **Assignments / Activities towards Comprehensive Continuous Evaluation (CCE)**

निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार: विश्वविद्यालय हिंदी विभाग अथवा महाविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा सुनिश्चित टेस्ट, ट्यूटोरियल या मौखिकी/ प्रोजेक्ट/ सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी भाषा से संबंधित प्रत्यक्ष कार्य/ हिंदी भाषा और कम्प्यूटिंग से संबंधित कार्य/ कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग/ युनिकोड का प्रयोग एवं टंकण कार्य/ हिंदी के विभिन्न सॉफ्टवेअर का प्रयोग एवं कार्य/प्रत्यक्ष ब्लॉग लेखन/पत्राचार/ विज्ञापन लेखन/ रिपोर्ट लेखन आदि के संबंध में अध्यापक के निर्देशानुसार सत्रानुरूप कार्य

अ.क्र.	विवरण	अंक
1	अंतर्गत मूल्यांकन- विभागीय स्तर पर प्रश्नपत्र के अनुसार परीक्षा अथवा प्रत्यक्ष कार्य आधारित गतिविधि ली जाएगी.	15
2	सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी भाषा से संबंधित प्रत्यक्ष कार्य/ हिंदी भाषा और कम्प्यूटिंग से संबंधित कार्य/ कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग/ युनिकोड का प्रयोग एवं टंकण कार्य/ हिंदी के विभिन्न सॉफ्टवेअर का प्रयोग एवं कार्य/प्रत्यक्ष ब्लॉग लेखन/पत्राचार/ विज्ञापन लेखन/ रिपोर्ट लेखन आदि के संबंध में अध्यापक के निर्देशानुसार सत्रानुरूप कार्य   (उक्त गतिविधियों में से तीन गतिविधियाँ आवश्यक है।)	35
	कुल अंक	50

### संदर्भ ग्रंथ –

1. कंप्यूटर व सूचना प्रौद्योगिकी शब्दकोश, विनोदकुमार मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नयी दिल्ली -02
2. दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी, डी.डी. ओझा और सत्यप्रकाश, ज्ञानगंगा प्रकाशन, पुणे
3. प्रयोजनमूलक हिंदी के आधुनिक आयाम, डॉ. महेंद्रसिंह राणा, हर्षा प्रकाशन, 48, शिवाजीनगर, शाहगंज, आगरा- 10
4. प्रयोजनमूलक हिंदी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नयी दिल्ली-110002
5. प्रयोजनमूलक हिंदी: अधुनातन आयाम, डॉ. अंबादास देशमुख, हिंदी बुक सेंटर, असफ अली रोड, नयी दिल्ली-110002
6. शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी, डॉ. विजय कुमार सिंघल, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, 11/7, डॉ. रांघेय राघव मार्ग, आगरा, उत्तर प्रदेश- 282002
7. सूचना प्रौद्योगिकी एवं व्यावसायिक संचार, डॉ. प्रवीण अग्रवाल और डॉ. अविनाश मिश्रा, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा
8. सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी अनुवाद- हरीश कुमार सेठी, किताबघर प्रकाशन, 4855-56/24, अंसारी रोड, दरियागंज, नयी दिल्ली-110002
9. हिंदी भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी, डॉ. दीपक रामा तुपे, अभिषेक प्रकाशन, दिल्ली-110002
10. हिंदी व्यावहारिक ज्ञान, प्रो. माणक चन्द भगत, अजय प्रकाशन, चौड़ा रास्ता, जयपुर-03
11. हिंदी संप्रेषण एवं कौशल, कमल दत्ता, हाडौती प्रकाशन, 4/363, मालवीय नगर, जयपुर-302017

### Websites:

<https://egyankosh.ac.in/>

<https://www.hindwi.org/>

<https://epgp.inflibnet.ac.in/>

<https://www.shabdbraham.com/>

<https://www.shabdkosh.com/>

<https://www.rajbhasha.nic.in/>

#### 4.6 AEC

<b>Course Title</b>	वाल्मीकिरामायणे अयोध्याकाण्डः
<b>Course Credits</b>	2
<b>Course Outcomes</b>	After going through the course, learners will be able to: 1. Define nature and scope of Sanskrit Epic Ramayana. 2. Explain concepts of Dharma, Karma, Bhakti and ethical dilemmas. 3. Compare governance, family structures, social values and the role of Kingship as depicted in the Ramayana. 4. Appraise Valmiki's poetic excellence, use of shlokas(verses), metaphors and literary styles in classical Sanskrit literature.
<b>Module 1 (Credit 1) रामायणस्य परिचयः</b>	
<b>Learning Outcomes</b>	After learning the module, learners will be able to: 1. Define the Ramayana as an Aarshkavya and the first classical Epic. 2. Explain its poetic structure, style and historical importance in Sanskrit literature. 3. Examine the social structure, customs, traditions and values of the Ramayana era. 4. Analyze the Ramayana as an inspirational sour for various literary works.
<b>Content Outline</b>	1. आर्यकाल्य रामायण. 2. रामायणकालीन समाजः संस्कृतिः च 3. रामायणउपजीव्यकाव्यम्
<b>Module 2 (Credit 1) वाल्मीकि रामायणे – अयोध्याकाण्डः (मूल ग्रन्थः)</b>	
<b>Learning Outcomes</b>	After learning the module, learners will be able to: 1. Define leadership qualities, ethical decision-making, familial 2. Responsibilities and devotion drawing lessons from the Ramayana. 3. Analyze the personalities and roles of Rama, Sita, Lakshmana, Dasharatha, Kaikeyi and Bharata. 4. Develop insights into their virtues, flaws and motivations.
<b>Content Outline</b>	वाल्मीकिरामायणे – अयोध्याकाण्डः सर्गः १ तः १५ पर्यन्तं

#### Assignments/Activities towards Comprehensive Continuous Evaluation (CCE)

External Assessment Total: 50 Marks

**References:**

1. श्रीमहाल्मीकीयरामायण – प्रथम खण्डः, गीतप्रेस गोरखपुर।
2. जोगी. प्र. न. श्री वाल्मीकि रामायण, मराठी अनुवाद, पुणे.
3. गुना डो. पुष्पा, संस्कृत साहित्य का बृहद् इतिहास, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, २०२०.
4. उपाध्याय आचार्य बलदेव, संस्कृत साहित्य का इतिहास, शारदा निकेतन, वाराणसी, २००१.
5. Ed. A. L. Gadgil, Valmiki Ramayana, Sriramakosa Mandal, Pune, 1982.
6. Raghvan V, The Ramayana tradition in Asia, New Delhi, 1980.
7. Upadhyaya Baldeva, Sanskrit Vangmaya ka Vrihad Itihasa, Third Khanda – Aarsh Kavya, Uttar Pradesh Sanskrit Sansthana Lucknow, 1997.

AEC-MIL-2 GUJARATI

Course Sr. no.	Type of Course	Title	Cr.	INT	EXT	TOTAL
4.6	AEC (B.A./B.Co m.)	શીખો ગુજરાતી -માધ્યમિક	2	50		50

<b>Course Title</b>	શીખો ગુજરાતી -માધ્યમિક
<b>Course Credits</b>	2
<b>Course Outcomes</b>	<p><b>After going through the course, learners will be able to</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● ગુજરાત પ્રદેશ અને તેની ભૌગોલિક સીમાઓ વિષે માહિતગાર થશે. ( શબ્દભંડોળ સંદર્ભે)</li> <li>● ગુજરાતી ભાષાના ઉદ્ભવ અને વિકાસથી માહિતગાર થશે .</li> <li>● ગુજરાતનાં પ્રમુખ અભ્યારણો, પહાડો અને નદીઓ વિશે જાણશે.</li> <li>● ગુજરાતનાં પ્રમુખ વ્રત અને તહેવાર વિષે સમજશે</li> <li>● ગુજરાતી ગીતોનો સમૃદ્ધ વારસાનો પરિચય મેળવશે.</li> </ul>
<b>Module 1 (Credit 1)</b>	ગુજરાત - પ્રદેશ, ભાષા અને સંસ્કૃતિ
<b>Learning Outcomes</b>	<p><b>After learning the module, learners will be able to</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● ગુજરાત પ્રદેશનો ઐતિહાસિક,ભૌગોલિક અને સામાજિક ,સાંસ્કૃતિક પરંપરાનો પરિચય મેળવશે . ગુજરાતનાં જોવાલાયક સ્થળોના</li> </ul>

	<p>ઇતિહાસ અને સાંસ્કૃતિક વારસાથી સમૃદ્ધ થશે.</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>ગુજરાત પ્રદેશની ભાષા અને પ્રાંતીય બોલીઓથી માહિતગાર થશે.. અભ્યારણો, નદીઓ ,મંદિર અને તીર્થ સ્થાન અને પહાડોની માહિતીથી જ્ઞાત થશે.</li> </ul>
<p><b>Content Outline</b></p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>ગુજરાત પ્રદેશની સીમાઓ અને તેની સંસ્કૃતિ (ઉત્તર ,દક્ષિણ,મધ્ય ગુજરાત અને સૌરાષ્ટ્ર )</li> <li>ગુજરાતી ભાષાનો ઉદ્ભવ અને વિકાસ.</li> <li>ગુજરાત પ્રદેશની ભાષા અને પ્રાંતીય બોલીઓ.</li> </ul> <p>ગુજરાતનાં પર્યટક સ્થળો, અભ્યારણો, નદીઓ અને પહાડો. મોઢેરા -સૂર્યમંદિર સોમનાથ , દ્વારકા , અંબાજી ,અડાલજ વાવ , પાટણ ,અરવલ્લી ,ડાંગ ના જંગલો ,ગિરનાર ,જૂનાગઢ ,ગિરનું જંગલ , કચ્છ નું સફેદ રણ , કાળો ડુંગર મંદિર અને તીર્થ સ્થાન . ભાવનગર અને બરોડા -કલાનો વારસો.</p>
<p><b>Module 2 (Credit 1)</b></p>	<p>ગુજરાતના ઉત્સવોનું સાંસ્કૃતિક મહત્વ, ગુજરાતી ગીત -સંગીત અને અન્ય લોકકલા</p>
<p><b>Learning Outcomes</b></p>	<p><b>After learning the module, learners will be able to</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>ગુજરાતમાં ઉજવાતા વિવિધ ઉત્સવો સાથે જોડાયેલી સંસ્કૃતિથી વાકેફ થશે.</li> <li>ગુજરાતી ગીતોમાં આલીખાયેલી સંસ્કૃતિથી પરિચિત થશે.</li> <li>ગુજરાતના ઉત્સવો સાથે જોડાયેલી માન્યતા , વિશેષતા ,મહત્વ અને લોકવાયકા વિષે જાણશે.</li> <li>વિવિધ પ્રસંગે ગવાતાં ગુજરાતી ગીતોને જાણશે.</li> </ul>

<b>Content Outline</b>	<p>ગરબા -ગરબી , રાસ</p> <p>ઉત્સવ સાથે જોડાયેલી લોકગાથા અને ભવાઈ .</p> <p>દિવાળી અને અન્ય ઉત્સવોનું સાંસ્કૃતિક મહત્વ</p> <p>ગીતોનો વારસો:</p> <p>હાલરડાં , પ્રભાતિયાં, ઉખાણાં વગેરે</p> <p>જન્મથી મરણ સુધી ગવાતા ગીતો.</p>
------------------------	---

**Assignments/Activities towards Comprehensive Continuous Evaluation (CCE)**

- ❖ 50 ગુણની (માર્ક્સની) આંતરિક પરીક્ષા લેવાશે.
- ❖ આંતરિક પરીક્ષામાં પાસ થવું અનિવાર્ય છે.

આંતરિક પરીક્ષા PPT , પ્રોજેક્ટ , પ્રદર્શન , નવરાત્રીની ઉજવણી ,ગુજરાતી ગીતોનો કાર્યક્રમ , શૈક્ષણિક પ્રવાસ

**Activities :**

1. ગુજરાત પ્રદેશની મુલાકાત ગોઠવવી.
2. ગુજરાત પ્રદેશની વિશિષ્ટતા બતાવતી ફિલ્મો બતાવવી.
3. ગુજરાતી નાટકો બતાવવા
4. ગુજરાતની માહિતી માટે PPT તૈયાર કરાવી.

સંદર્ભ ગ્રંથો:

1. 'ગુજરાત પરિચય' અદ્યતન આવૃત્તિ- 2019 પ્રા. ડૉ. બી.સી. રાહોડ, અક્ષર અકાદમી, ગાંધીનગર.
2. 'ગુજરાત પરિચય' લેખક અને સંપાદક રંજન મહેશ આહજોલિયા જ્ઞાન પ્રકાશન. કુડાસણ, ગાંધીનગર, આવૃત્તિ- 2028
3. 'ગુજરાતી લેખન' લેખક સંપાદક પ્રા.ડૉ. બી.સી. રાહોડ અને પ્રા, ડૉ. પ્રતિભા શાહ. અક્ષર પબ્લિકેશન, અમદાવાદ.

4. ગજરાત, ગુજરાત રાજ્ય સરકારનું પોર્ટલ.
5. ભાષા પરિચય અને ગુજરાતી ભાષાનું સ્વરૂપ. જયંત કોઠારી, યુનિ. ગ્રંથનિર્માણ બોર્ડ, અમદાવાદ.
6. ગુજરાતીની ભાતીગળ ઝલક (માધ્યમિક પાઠ્ય પુસ્તક) ઉષા નાયર, ભારતીય ભાષા સંસ્થાન, મૈસૂર ભારત.
7. ભાષાવિજ્ઞાન અને ભાષા કૌશલ્યોનું શિક્ષણ, યોગમ્વ વ્યાસ, મુદ્રક, ઉમિયા પ્રિન્ટરી, અમદાવાદ
8. થોડાંક વ્યાકરણ વિચાર, હરિવલ્લભ ભાયાણી પ્રકાશક શિવજી આશર વોરા એન્ડ કંપની, ગાંધી રોડ, અમદાવાદ.